श्रद्धांजलि
प्रताप सिंह मंगला (८ जुलाई, १९२७-२१ अप्रैल, २०२१)

जब आँच अँगारा बनी, सौ सौ पतंगे उड़ चले।
अब राख ठंडी, बिखरती, हैं दीप जगमग सब तरफ़।

श्याम सुन्दर
२ मई, २०२१